आओ चलें सम्पूरणता की ओर

❍ 23 / 11 / 14 की मुरली से चार्ट ❍

⇛ TOTAL MARKS:- 100 ⇚

✺ शिवभगवानुवाच :-

➳ _ ➳ रोज रात को सोने से पहले बापदादा को पोतामेल सच्ची दिल का दे दिया तो धरमराजपुरी में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी ।

∬1∬स्वमान का अभ्यास (Marks-10)

➢➢ **मैं आत्मा सर्व की दुआओं की पात्र हूँ ।**

∬2∬गुण / धारणा पर अटेंशन (Marks-10)

➢➢ **फुल स्टॉप लगाने का अभ्यास**

∬3∬बाबा से संबंध का अनुभव(Marks-10)

➢➢ **टीचर**

∬4∬ होमवर्क (Marks :- 7*5=35)

【✓】 °सर्वस्व त्यागी° बनकर रहे ?

【✓】 बाप के साथ सदा °सर्व समबंधो की अनुभूती° में लवलीन रहे ?

【✓】 स्वयं को सदा °लाइट हाउस माईट हाउस° अनुभव किया ?

【✓】 साकार °ब्रह्मा बाप के कर्म रुपी कदम° के पीछे हर कदम उठाया ?

【✓】 स्वयं को कल्प कल्प के °निश्चित विजयी° अनुभव किया ?

【✓】 °निर्वाण° स्थिति में स्थित हो वाणी में आये ?

【✓】 बोल और कर्म में °निर्माणचित° रहे ?

✺ अव्यक्त बापदादा (05/11/2014) :-

➳ _ ➳ अभी आगे भी अपनी ज्योति से, दीपक की ज्योति से औरों को दीप बनाके जगाते चलो । विश्व में चैतन्य दीपकों को नहीं जानते हैं तो स्थूल दीपक जगाते हैं । लेकिन आप सभी आज किसको देख रहे हो? जगे हुए दीपकों को, चैतन्य सूरत में देख रहे हो । बापदादा भी चैतन्य रूप में एक-एक बच्चे को दीपक के रूप में गाते हुए देख खुश हो रहे हैं ।

∬5∬ विशेष अभ्यास (Marks:-15)

➢➢ अपनी ज्योति से, दीपक की ज्योति से औरों को दीप बनाके जगाते चले ?

∬6∬ ज्ञान मंथन (वरदान) (Marks:-10)

➢➢ किसी भी परिस्थिति में फुल स्टॉप लगाने की सही विधि क्या है ?

❋ अगर हम दिन में बार बार पावरफुल ब्रेक लगाने का अभ्यास करेंगे तभी हम किसी भी परिस्तिथि के आने पर ब्रेक लगाने में समर्थ हो पायेंगे ।

❋ किसी भी परिस्तिथि के आने पर ड्रामा का ज्ञान स्मृति में लायें । नथिंग न्यू का पाठ स्मृति में लायें ।

❋ साक्षी होकर हर परिस्तिथि को देखें और आत्मिक स्वरुप में स्थित होकर उस परम पिता से अपना कनेक्शन जोडें ।

❋ होली बन जाये और परिस्थिति को होली कर दे, बाबा को सुनाकर ख़त्म कर दे |

❋ त्रिकालदर्शी कि सीट पर सेट हो जाये |

❋ बातो को स्वीकार करने कि शमता बढ़ाये |

❋ हमारे साथ सर्व शक्तिवान बाप है, तो बाप को दे दे और आप बालक बन हलके हो जाये |

❋ बाते आती है तो उन्हें बार-बार सोच कर बाधा न बनाये, आप शक्तिशाली स्थिति मे स्थित हो जाये,तो बाते रुई समान अनुभव होगी |

∬7∬ ज्ञान मंथन (स्लोगन) (Marks:-10)

➢➢ विजयी बनने के लिए संकल्पों पर बीच-बीच में दृढ़ता का ठप्पा लगाना क्यों आवश्यक है ?

❋ पॉवरफुल स्टेज बीजरूप में स्थित रहने के लिए दृढ़ता का संकल्प अति आवश्यक है।

❋ विघ्नों का विनाश कर एक सैकण्ड में मायाजीत दृढता से ही बन सकते है।

❋ मास्टर दाता की सीट पर स्थित हो सबको सन्तुष्टता का दान देने के लिए दृढ़ संकल्पों का ठप्पा लगाना जरूरी है।

❋ निश्चय बुद्धि बन सर्विस से बाप की प्रत्यक्षता कराने के संकल्पों में दृढ़ता जरूरी है।

❋ स्वराज्य अधिकारी सो विश्वराज्य अधिकारी बनने के लिए संकल्पों की शुद्धि दृढता से ही हो सकती है।

❋ सर्व सम्बन्ध बाप के ही साथ मजबूती से बना इस दुनिया के सम्बन्धों से निर्मोही बनने के लिए दृढ़ता के ठप्पे से ही हो सकता है।

⊙_⊙ आप सभी बाबा के प्यारे प्यारे बच्चों से अनुरोध है की रात्रि में सोने से पहले बाबा को आज की मुरली से मिले होमवर्क के हर पॉइंट के मार्क्स ज़रूर दें ।

♔ ॐ शांति ♔